

खण्डेति च तौ विदुः MBh. 5, 7407. R. 4, 57, 8. स्तेन इत्येव तं विदुः Spr. 4913. Vop. 24, 8. मां विदित्वा कृतेति *wenn er erfährt, dass* R. 3, 55, 52. — 3) merken, beachten; eingedenk sein: मन्त्रस्य RV. 2, 35, 2. विद्युर्मै घ्नस्य देवाः 1, 23, 24. 103, 1. 2, 32, 2. 3, 39, 1. 5, 12, 3. 39, 2. अग्नें विताह्विषः 5, 60, 6. मृगानाम् 8, 5, 37. 48, 8. 7, 72, 2. AV. 6, 123, 8. VS. 6, 2. Çat. Br. 4, 3, 19. स हि नेत्रमवेत्तव AV. 10, 10, 22. Ait. Br. 2, 19. सो ऽवेदिन्क्रो वायुमुद्वे जयतीति Indra merkte, dass Vāju Sieger sein werde, 25, 3, 20. Çat. Br. 3, 6, 2. 6. 11, 6, 2, 5. न वेत्ति विभवं स्वम् achtet nicht auf Spr. (II) 583. — 4) wahrnehmen, bemerken: तस्यान्तरं विदित्वा R. 1, 48, 17 (49, 17 Gorr.). Çāk. 14, 4. स तु तद्वाग्नमविदन् KATHās. 37, 214. स्वं तु नाङ्गभेदं विवेद सः 39, 156. mit einem zweiten acc.: तौ विदित्वा चिरगताम् MBh. 1, 5962. न विवेद तपोरनुत्तयोः प्रियमत्यन्तविलुप्तदर्शनम् KUMĀRAS. 4, 2, 7, 54. न विवेद गतां निशाम् KATHās. 64, 49. RĪġA-TAR. 3, 147. 405. 5, 95. नात्मानं विविडुर्विह्वलिषुभिः RAGH. 9, 60. विदो चकार BHATT. 6, 1. — 5) erfahren, zu genießen haben: विद्यामवसेो वो घ्नस्य RV. 2, 27, 5. एतावत्तस्ते विद्याम् नश्येसः VĀLUK. 2, 9. या न वेत्ति सदा पुंसो चतुराणां रतिक्रमम् Vet. in LA. (III) 16, 20. न वेत्ति दुःखमप्यपि Spr. 4762. न दुःखमुचितं किञ्चिद्वा वेद यथा जनः MBh. 4, 21. दुःखं वनवासस्य वेत्स्यति R. 2, 32, 90 (29 Gorr.). न विवेद दुःखम् RAGH. 14, 56. नाविद्वद्भयम् BHĀG. P. 4, 27, 18. तदीर्थकालं वेत्तासि so v. a. daran wirst du lange denken müssen R. 7, 36, 34. वेत्ति न वेदनाम् empfindet keinen Schmerz JĀġN. 3, 130. गन्धर्वाणाम् Suçr. 2, 369, 11. 373, 2. — 6) glauben, wähnen, annehmen, voraussetzen: मतो ऽयमिति न वेत्ति Vet. in LA. (III) 21, 4. दार्यं स्वयंशो विदन् RĪġA-TAR. 6, 173. विदित्वेति (= इति वि०) 8, 2008. mit einem zweiten acc. so v. a. halten für: य एनं वेत्ति कृतार्थं यथैनं मन्यते कृतम् BHAG. 2, 19. Suçr. 4, 113, 12. Spr. (II) 519. 926. (I) 4286. यं मां वेत्ति RĪġA-TAR. 1, 135. विदन् 3, 150. विदत्ति Spr. 2125. विवेद RĪġA-TAR. 4, 22. 315. — 7) wissen wollen, prüfen Çat. Br. 12, 4, 1. 3. 9, 3, 4. तौ वेद (2. sg. imper.) so v. a. erkundige dich nach ihr MBh. 3, 2688. — 8) विदितं kennen gelernt, gekannt, bekannt als KĀr. zu P. 8, 2, 56. Vop. 26, 131. AV. 4, 27, 7. यौ विदित्वाविष्णुभूतामसिंष्टौ 28, 2. यद्वैर्विदितं पुरा 6, 12, 2. Çat. Br. 7, 2, 1. 11. 9, 1, 1. 17. 11, 5, 3, 8. Nir. 11, 33. P. 5, 4, 43. MBh. 3, 2691. 5, 5984. तुभ्यम् 7045. 7116. तव 7258. 12, 4297. R. 4, 2, 37. 68, 6. 2, 35, 17. R. Gorr. 4, 70, 2. 3, 35, 38. 37, 22. 4, 9, 66. 10, 14, 5. 18, 31. विदितागम Suçr. 1, 242, 1. वंशे भुवनविदिते MEGH. 6. Çāk. 7, 17. 40, 4. 108, 16. सा बाला परवतीति मे विदितम् 33. विदितार्थ 111, 12, v. l. Vikr. 63, 9. KATHās. 3, 74. PRAB. 3, 6. 22, 10. BHĀG. P. 3, 13, 30. विदितात्मन् R. 1, 43, 8. 2, 58, 13. 103, 22. 4, 18, 19. तच्चैकस्याः स्वभार्यायाः स चक्रे विदितं तदा KATHās. 19, 34. सौमित्रिर्मम विदितः प्रधानमित्रम् R. 2, 107, 19. PĀNĒAT. I, 438. रामो नो विदितो यो ऽयं यथा च वसुधां गतः wir wissen von Rāma R. 3, 30, 22. त्रेतायुगे प्रमुक्तो ऽसि विदितो मे ऽसि नारदात् ich weiss durch Nārada von dir, dass HARIV. 6483. विदितो मन्ये न ते ऽहं राघवं (राघवे?) यथा du weisst nicht, wie ich zu Rāma stehe, R. 2, 73, 11. विदितो भवानाश्रमसदामिक्षुः haben erfahren, dass Çāk. 28, 11. विदितं भवतामेतद्यथा es ist euch bekannt, dass R. 2, 2, 3. R. Gorr. 1, 72, 14. 4, 9, 10. KUMĀRAS. 4, 36. विदितं वाद्य वाज्ञातं पितुर्मे संविधीयताम् mit oder ohne Wissen meines Vaters MBh. 3, 2954. अविदित Çat. Br. 10, 6, 1. 11, 5, 3. 14, 4, 2, 28. R. 1, 7, 10. 2, 31, 7. 86, 8. गृहादवि-

दितः पित्रोः प्रायाद्भानुमितस्ततः ohne Wissen der Eltern KATHās. 123, 294. 158 (wo अविदितो st. अवेदितो zu lesen ist, wie schon das Metrum zeigt). अविदिते पितुः ohne Wissen des Vaters MBh. 5, 5971. तस्मादविदितं तस्य गतव्यं क्रोधनस्य नः ohne sein Wissen KATHās. 39, 167. सुविदित Çat. Br. 10, 6, 1. 10. MBh. 5, 70. त्रयं सुविदितं कुर्यात् M. 12, 105. विदित = बुधित AK. 3, 2, 57. H. 1496. an. 3, 297. MED. t. 139. = श्रुत H. an. = अर्थित MED. = प्रतिज्ञात (COLEBR. संविदित st. विदित) AK. 3, 2, 58. Vgl. 1. वित्. — 9) fehlerhaft für 3. विद्, z. B. नाविद्वद्भितात्मनः (नाविन्द ed. Bomb.) MBh. 7, 8885. विद्याद्वक्तुसुवर्णकम् (विन्द्या ed. Bomb.) 13, 5384.

— caus. वेदयते चेतनाष्यान्विवासेषु DHĀTUP. 33, 34. वेदन् st. चेतन und विवास, निवेदन, परिवारन und वाद् st. विवास v. l.) und seltener वेदयति. 1) ankündigen, mittheilen, melden: आचार्याय ऀच्य. Ça. 8, 14, 3. GĀHJ. 1, 22, 10. 12. 24, 7. 30. Çat. Br. 14, 6, 1. 6. KĀND. UP. 8, 7, 3. M. 11, 31. तिप्रनागमनं मन्त्रं तस्य त्वं वेदयस्व कृ MBh. 14, 1838. वेदयानो भयं घोरम् 6, 5207. VARĀH. BRH. S. 31, 2. वेदयितुम् R. Gorr. 2, 16, 46. वेदित RĪġA-TAR. 3, 351. act. JĀġN. 3, 243. MBh. 4, 1463. HARIV. 10297. उपस्थितं भयं घोरं पत्निषो वेदयति ते R. Gorr. 1, 76, 14. त्वया गुप्तौ च काकुत्स्थौ वेदयन्तु नृपाय ते melden, dass 69, 27 (67, 26 SCHL.). बलं सज्जनवेदयन् R. SCHL. 2, 82, 25. यः साधयत्तं कृदेन वेदयेद्वनिकं नृपे so v. a. anklagen, dass M. 8, 176. — 2) lehren, erklären ÇĀKKU. Ça. 4, 21, 26. Nir. 5, 2. 11. 6, 27. ऋषेरन्तरिगृह्यन्त्येतदार्थं वेदयते 9, 8. — 3) kund thun so v. a. zeigen, anwenden: वेदयामास मान्धाता दिव्यं पाशुपतं मरुत् । तदस्त्रम् R. 7, 23, 3, 52. — 4) kennen: अवेदयानो नष्टस्य देशं कालं च तत्त्वतः । वर्षा त्रयं प्रमाणं च M. 8, 32. MBh. 1, 3626. कृतं च होष्यमाणं च काले वेदयते सदा 2, 175 (vgl. R. Gorr. 2, 109, 8). 13, 7389. 14, 986. वेदितवान् R. 7, 35, 12. नाकृतात्मा वेदयति धर्माधर्मविनिश्चयम् MBh. 3, 14048. 4, 1531. HARIV. 11293. 12287. नासौ वेदितवान्धर्मेर्विरुद्धितं विषयब्रह्मसुप्तं जनम् wusste nicht, dass MĀKĀH. 52, 3. halten für: यन्मां वेदयते प्रियम् MBh. 4, 724. ब्राह्मण्यां वृषलाज्जातं वेदयतीव माम् 13, 1886. समुपागतं सुतं सुमन्त्रतो वेद्यं nachdem er erfahren hatte, dass R. Gorr. 2, 34, 29. erkennen, wahrnehmen: पदेद्यते येन वेदनेन तत्ततो न भिद्यते यथा ज्ञानेनात्मा वेद्यते तैश्च नीलादयः SARVADARÇANAS. 16, 11. fg. परस्य मुखं वेदयति P. 3, 1, 18. Schol. — 5) fühlen, empfinden: त्वचा हि स्पर्शान्वेदयते Çat. Br. 14, 6, 2, 9. येन वेदयते सर्वं मुखं दुःखं च जन्मसु M. 12, 13. मुखम् P. 3, 1, 18. Schol. तृजम् MBh. 12, 6912. वेदये न च संयुक्तान् शब्दस्पर्शरसान्धम् R. 2, 64, 67. — 6) वेदयति MBh. 13, 5186 fehlerhaft für रमयति, wie die ed. Bomb. liest; अवेदितो KATHās. 1, 23, 158 fehlerhaft für अविदितो, wie auch das Metrum zeigt.

— desid. विविदिषति P. 1, 2, 8. Vop. 19, 16. zu wissen wünschen, erkennen —, kennen lernen wollen Nir. 2, 8. Çat. Br. 11, 5, 3. 14, 7, 2, 25 (= VEDĀNTAS. [Allah.] No. 8. KULL. zu M. 12, 87). BHĀG. P. 2, 9, 41. SARVADARÇANAS. 56, 14. भगवत्तं वा अहं विविदिषाणि KĀND. UP. 1, 11, 1. विवित्सतो नः BHĀG. P. 10, 64, 8. अवाप्तविवित्सित 1, 13, 1. यावत्स करभ-प्रीकोटमार्गं विवित्सति sich erkundigen nach KATHās. 102, 64.

— desid. vom caus. s. विवेदयिषु.

— अनु wissen, vollständig kennen RV. 1, 34, 2. 164, 18. अन्वेषामवेदे जनिमानि 4, 27, 1. पूषेमा अशा अनु वेद सर्वाः 10, 17, 5. देवाननुविहान्